जग बिक्री करने के लिए प्रचार-प्रसार किये तो कई व्यक्ति एवं लेख्यधारी भी आये जिसमें लेख्यधारी ही वर्णित सम्पत्ति को सबसे अधिक मूल्य पर खरीदने को तैयार हुए जो आज के बाजार भाव बिक्री के अनुकूल है दोनों पक्षों के बीच वर्णित सम्पत्ति का सौदा मो० 4,46,000/- (चार लाख छियालीस हजार रुपये में तय हुआ। तय जरसमन का रुपये लेख्य-धारी भा० स्टेट बैंक के चेक सं० 665521 से मो० 2,23,000/- (दो लाख तेइस हजार रुपये लेख्य-कारी नं० एक को व चेक सं० 665520 से मो० 2,23,000/- (दो लाख तेइस हजार रुपये लेख्य-कारी नं० दो को भुगतान किये तय जरसमन का कुल रुपये वसूल पाकर लेख्यकारी गण वर्णित सम्पत्ति का विक्रय-पत्र केवाला लिखे तथा कुल कब्जा दखल भी आज के ही दिन से लेख्यधारी को सौंप दिये

अब चाहिए कि ऊपर वर्णित सम्पत्ति पर लेख्यधारी अपना कब्जा दखल कायम कर घर मकान बनावें चाहर दिवारी का निर्माण करें पेड़-पौधा लगावें, अपने तथा अपने परिवारों के उपभोग में लाया करें अपना नाम सरकार के सिरिस्ते में दर्ज कराकर सलाना माल देकर मालगुजारी की रसीद हासिल किया करें उक्त सम्पत्ति से लेख्यकारी गण वो उनके वारिशान दर गुजरे वो वाज आये

इसलिए आज लेख्यकारी गण अपनी अपनी तन-मन की पूरी सेहत में बिना